**दुधारू-पशुओं के विकास के लिए कार्यक्रम**

3254. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूध के उत्पादन को बढ़ाने के अतिरिक्त कम मूल्य पर दूध उपलब्ध कराने के लिए दुधारू पशुओं की स्वदेशी नस्लों के संबंध में अनुसंधान और विकास कार्य करने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए हैं;

(ख) इस संबंध में किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा क्या है और उन पर क्या कार्यवाही की गई है; और

(ग) इस संबंध में कितनी सफलता मिली है?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस॰ कृष्ण कुमार):** (क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से मवेशी प्रायोजना निदेशालय, मेरठ तथा राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के माध्यम से दूध उत्पादन के लिए देशी नस्लों के सुधार हेतु अनुसंधान कार्य कर रही है।

(ख) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अध्ययन के लिए जिन दो नस्लों को शामिल किया गया वे थी:

(i) हरियाणा-इसके जर्मप्लाजम का केन्द्र सी.सी.एस., हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में स्थित है।

हरियाणा नस्ल के साथ चार सहायक नस्लें भी हैं।

(ii) अंगोल-इसके जर्मप्लाजम का केन्द्र पशु अनुसंधान केन्द्र, लाम तथा आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, गुन्टूर में स्थित है तथा

(iii) साहीवाल-इसके जर्मप्लाजम का केन्द्र-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में है।

आठवीं योजना के दौरान दो नस्लें-नामत: गिर और यरपारकर पर उसी आधार पर अध्ययन के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इन नस्लों में से प्रत्येक के लिए मॉडल कार्यक्रमों के तहत काफी संख्या में उत्कृष्ट पशु रखे जायेंगे तथा वीर्य उत्पादन के लिए सांड केन्द्रों की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं की लगभग 750 नस्लों का काम किया जाएगा। सहायक नस्लों का इस्तेमाल करके वंशक्रम परीक्षण के लिए प्रत्येक सेट के लिए लगभग 10 प्रजनन योग्य सांडों को इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें प्रत्येक "साइरे" मूल्यांकन हेतु सांड से प्रजनित 20-25 बछियों का अध्ययन किया जाएगा।

(ग) (i) हरियाणा, अंगोल और साहीवाल नस्लों के जर्मप्लाजम केन्द्रों की स्थापना की गई।

(ii) हरियाणा और अंगोल नस्लों में से प्रत्येक के कुल 16 सांडों का प्रयोग पहले दो सेटों में परीक्षण के लिए किया गया। तीसरे सेट के लिए इन नस्लों में से प्रत्येक के 8-10 सांडों को पहचाना गया।

(iii) अंगोल नस्ल के जर्मप्लाजम केन्द्र में 91,000 प्रशीतित वीर्य स्ट्रा तैयार किए गए और हरियाणा नस्ल के जर्मप्लाजम केन्द्र ने लगभग 30,000 प्रशीतित वीर्य स्ट्रा तैयार किए हैं।

(iv) हरियाणा, अंगोल और साहीवाल के प्रशीतित वीर्य के लिए जीन बैंक स्थापित किया गया है और परीक्षण किए जा रहे प्रत्येक सांड के प्रशीतित वीर्य की 1000 खुराकें भंडारित की गई हैं।

(v) प्रयोग के बाद जर्मप्लाजम यूनिटों में जो अतिरिक्त सांड होते हैं उन्हें पशु पालन के राज्य विभागों और दूसरी विकासशील एजेंसियों को हस्तांतरित किया जा रहा है जिससे कि प्रजनन सुधार के लिए व्यापक रूप से उनका उपयोग किया जा सके।

(vi) प्रयोजना द्वारा विकसित आंकड़ा रिकार्ड करने वाली पद्धति से भारत में देसी नस्लों के लिए एक "नेटवर्क" तैयार करने में सहायता मिलेगी।

**घटिया उर्वरक, कीटनाशी और बीज की बिक्री संबंधी धोखाधड़ी का रहस्योद्घाटन**

3255. **श्री नागमणि :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश सरकार ने एक ऐसी धोखाधड़ी का रहस्योद्घाटन किया है जिसमें ऐसी 110 कम्पनियां शामिल हैं, जो किसानों को घटिया किस्म के कीटनाशी, बीज और उर्वरक बेच रही थी, जैसा कि दिनांक 12 जुलाई, 1994 के हिन्दी दैनिक "जनसत्ता" में समाचार प्रकाशित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो इन कम्पनियों का ब्यौरा क्या है और इनकी शाखाएं किन-किन राज्यों में कार्यरत हैं; और

(ग) इन कम्पनियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा क्या है?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस॰ कृष्ण कुमार):** (क) जी, नहीं। यह कथन इस तथ्य पर आधारित है कि 1990-91 से 1993-94 तक 4 वर्षों के दौरान राज्य कीनाशक परीक्षण प्रयोगशाला, जबलपुर में रोजमर्रा में

किए जाने वाले विश्लेषण में 4176 कीटनाशकों में से 748 नमूने घटिया पाए गए। ये 748 नमूने 107 कीटनाशक विनिर्माण कम्पनियों से संबंधित हैं।

बीज गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, 1983 मध्य प्रदेश में 1.7.1994 से प्रभावी हो गया है।

उर्वरकों के मामले में, 1990-91 से 1993-94 तक कुल 15564 नमूनों का विश्लेषण किया गया था। इनमें से 67 कम्पनियों के 2137 नमूने घटिया पाए गए।

(ख) जिन कम्पनियों के नमूने घटिया पाए गए उनके ब्यौरे संलग्न विवरण में (नीचे देखिए)

जिन कम्पनियों के उर्वरक के नूमने घटिया पाए गए हैं, उनकी सूची विवरण II में संलग्न है (नीचे देखिए)

(ग) मध्य प्रदेश सरकार ने क्रमश: कृमिनाशी अधिनियम, 1968 तथा उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, 1985 के उपबंधों के तहत इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

## विवरण-I

उन फर्मों की सूची जिनके नमूने घटिया स्तर के पाए गए

| क्र. सं. | राज्य/संघ शासित क्षेत्र | फर्मों के नाम |
|---|---|---|
| | मध्य प्रदेश | |
| 1. | | मैसर्स किलपेस्ट प्राइवेटलिमिटेड, भोपाल |
| 2. | | इंडियन पेस्ट कन्ट्रोल प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल |
| 3. | | ध्रुव पेस्टीसाईडस, भोपाल |
| 4. | | भोपाल पेस्टीसाईड्स भोपाल |
| 5. | | रिपको, मण्डीदीप |
| 6. | | अर्पेन टैक, मध्य प्रदेश, भोपाल |
| 7. | | पेस्टकैम एण्ड एलायड कम्पनी, विदिशा |
| 8. | | एग्रोएड्स पेस्टीसाईड्स, विदिशा |
| 9. | | मैड कैमिकल्स, विदिशा |
| 10. | | यूनीकिल पेस्टीसाईड्स विदिशा |
| 11. | | नेशनल पेस्टीसाईड्स विदिशा |
| 12. | | न्यू मैड कैमिकल्स, विदिशा |
| 13. | | शाईन मैटल पेस्टीसाईड्स विदिशा |
| 14. | | यूनियन पेस्टीसाईड्स विदिशा |
| 15. | | शक्ति इण्डस्ट्रीज, विदिशा |
| 16. | | संजय पेस्टीसाईड्स, इटारसी |
| 17. | | एग्रो पेस्टीसाईडस इटारसी |
| 18. | | शिपोन कैमिकल्स प्राइवेट,पीथमपुर |
| 19. | | मिनरल्स एण्ड कैमिकल्स, रायपुर |
| 20. | | भारतीय रासायनिक उद्योग,धरतारी |
| 21. | | यूनाइटेड पेस्टीसाईड्स, रायपुर |
| 22. | | कीटनाशक निर्माण संयंत्र राज्य विपणन संघ, कटनी |
| 23. | | भैरव पेस्टीसाईड्स, नरसिंहपुर |
| 24. | | चौधरी मिनरल्स, सागर |
| 25. | | राणा इनसैक्टीसाईड्स बालाघाट |
| 26. | | एम. पी. एग्रो पेस्टीसाईड्स बीना |
| | महाराष्ट्र | |
| 27. | | अकोला कैमिकल्स, अकोला |
| 28. | | एग्रो कैमिकल्स बम्बई |
| 29. | | बायर (इंडिया) लिमिटेड, बम्बई |
| 30. | | देवीदयाल एग्रो कैमिकल, बम्बई |
| 31. | | एक्सल इण्डस्ट्रीज, बम्बई |
| 32. | | गोदरेज एग्रोवेट, बम्बई |
| 33. | | हिन्दुस्तान सीबा गाइगी लिमिटेड, बम्बई |
| 34. | | होचैस्ट इंडिया लिमिटेड, बम्बई |
| 35. | | इण्डोफिल कैमिकल्स, बम्बई |
| 36. | | खण्डेलवाल मिनरल्स एण्ड पेस्टीसाईड्स, नागपुर |
| 37. | | कोंकण पेस्टीसाईड्स बम्बई |
| 38. | | ल्यूपिन एग्रो कैमिकल्स, बम्बई |
| 39. | | नोसिल, बम्बई |
| 40. | | रैलिस इंडिया लिमिटेड, बम्बई |
| 41. | | रोहन पुल्लांक एग्रो कैमिकल्स लिमिटेड, बम्बई |
| 42. | | सैण्ड्रोज इंडिया लिमिटेड, बम्बई |
| 43. | | सुदर्शन कैमिकल्स, पुणे |
| 44. | | सुमैक्स कैमिकल्स, बम्बई |
| 45. | | सुपर पेस्टीसाईड्स बम्बई |
| 46. | | उल्हास आंवल कैमिकल्स, बम्बई |
| | चण्डीगढ़ | |
| 47. | | किसान एग्रो कैमिकल्स, चण्डीगढ़ |
| | हरियाणा | |
| 48. | | आरती मिनरल्स, फरीदाबाद |
| 49. | | अन्नू प्रोडक्ट्स फरीदाबाद |
| 50. | | गायत्री पेस्ट कैमिकल्स, गुडगांव |
| 51. | | ज्योति पेस्टीसाईड्स, हरियाणा |
| 52. | | कैश्यू एग्रो, फरीदाबाद |
| 53. | | स्वास्तिक कैमिकल्स, रोहतक |
| 54. | | एस. एन. कैमिकल्स, फरीदाबाद |

| क्र. सं. | राज्य/संघ शासित क्षेत्र | फर्मों के नाम |
|---|---|---|
| 55. | | यूनाइटेड पेस्टीसाईड्स, अम्बाला |
| 56. | | शक्ति इनसैक्टीसाईड्स, अम्बाला |
| | उत्तर प्रदेश | |
| 57. | | अग्रवाल इण्डस्ट्रीज, आगरा |
| 58. | | क्रोप हैल्थ प्रोडक्ट्स, गाजियाबाद |
| 59. | | किसान एग्रो कैमिकल्स, मुजफ्फरनगर |
| 60. | | मेरठ एग्रो इंडिया, मेरठ |
| 61. | | स्वरूप कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ |
| 62. | | शिव शक्ति पाइप इण्डस्ट्रीज, मुजफ्फरनगर |
| 63. | | सिंघल पेस्टीसाईड्स, आगरा |
| 64. | | सिंघलम पेस्टीसाईड्स प्राइवेटलिमिटेड, गाजियाबाद |
| 65. | | यूनिक फार्मेट प्राइवेट लिमिटेड, छपरौली |
| 66. | | सनरे कैमिकल्स, आगरा |
| | राजस्थान | |
| 67. | | एग्रों कैमिकल्स , लिमिटेड, जयपुर |
| 68. | | बी. एल. इण्डस्ट्रीज,जयपुर |
| 69. | | गुप्ता कैमिकल्स, जयपुर |
| 70. | | जय एग्रो, जयपुर |
| 71. | | आई. एम. एफ. सी.,जयपुर |
| | गोवा | |
| 72. | | जुआरी एग्रो, गोवा |
| | दिल्ली | |
| 73. | | भारत इनसैक्टीसाईड्स, दिल्ली |
| 74. | | हिन्दुस्तान पलवेराइजिंग मिल्स,दिल्ली |
| 75. | | एच. आई. एल. दिल्ली |
| 76. | | जयश्री एग्रो इण्डस्ट्रीज, दिल्ली |
| 77. | | जोन्सन मिनरल्स, नई दिल्ली |
| 78. | | पेस्टो कैमिकल्स इंडिया, दिल्ली |
| 79. | | नार्दन मिनरल्स, दिल्ली |
| 80. | | शक्ति इनसैक्टीसाईड्स, दिल्ली |
| | पश्चिम बंगाल | |
| 81. | | शॉ वॉलेस कम्पनी, कलकत्ता |
| | गुजरात | |
| 82. | | अतुल पेस्टीसाइड्स प्राइवेट लिमिटेड, अतुल |
| 83. | | बड़ौदा मिनरल्स, बड़ौदा |
| 84. | | गुजरात पेस्टीसाईड्स, अहमदाबाद |
| 85. | | इण्डोकैम, अहमदाबाद |
| 86. | | खटाऊ जुनकर लिमिटेड, अंकलेश्वर |
| 87. | | पोशाक लिमिटेड, बड़ौदा |
| 88. | | प्रेजीडेंट इण्डस्ट्रीज, अहमदाबाद |
| 89. | | पारुल कैमिकल्स, बड़ौदा |
| 90. | | गुजरात एग्रो इण्डस्ट्रीज, अहमदाबाद |
| 91. | | सुपर इण्डस्ट्रीज, बड़ौदा |
| 92. | | टोपाज पेस्टीसाइड्स |
| 93. | | अल्टाइमा स्कारेह एलौट., वापी |
| 94. | | विमल पेस्टीसाइडस, बड़ौदा |
| 95. | | वीमा कैमिकल्स |
| 96. | | ओमेगा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद |
| 97. | | वल्लभ पेस्टीसाईड्स, आनन्द |
| | तमिलनाडु | |
| 98. | | एग्रो कैमिकल्स, मद्रास |
| 99. | | कोरोमण्डल इण्डग प्रोडक्ट्स, मद्रास |
| 100. | | ई. आई. डी. पैरी इंडिया लिमिटेड, मद्रास |
| 101. | | सदर्न कैमिकल्स, मद्रास |
| 102. | | ट्रोपिकल एग्रोसिस्टम, मद्रास |
| | आन्ध्र प्रदेश | |
| 103. | | भवानी फर्टिलाइजर्स, हैदराबाद |
| 104. | | नागार्जुन फर्टिलाइजर्स, हैदराबाद |
| 105. | | प्लांट प्रोटैक्शन इण्डस्ट्रीज, गुन्टूर |
| 106. | | विजयलक्ष्मी पेस्टीसाईड्स, एथाकोटा |
| | केरल | |
| 107. | | ट्रावनकौर कैमिकल्स मैन्यूफैक्चरिंग, कमलेश्वरी |

## विवरण-II

| क्र सं. | कम्पनी का नाम |
|---|---|
| 1. | आदर्श कैमिकल्स फर्टिलाइजर्स |
| 2. | भारत कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स |
| 3. | बी.ई.सी. फर्टिलाइजर्स |
| 4. | बृज फर्टिलाइजर्स |
| 5. | चम्बल फर्टिलाइजर्स |
| 6. | कोरोमण्डल फर्टिलाइजर्स |
| 7. | डी.एम.सी.सी. |
| 8. | एफ.सी.आई. |
| 9. | ई.आई.डी. पैरी इंडिया |
| 10. | गंगाज फर्टिलाइजर्स |
| 11. | गोदावरी फर्टिलाइजर्स |
| 12. | ग्रोमोर फर्टिलाइजर्स |
| 13. | जी.एन.वाई.एफ.सी. |

| क्र. सं. | कम्पनी का नाम |
|---|---|
| 14. | जी.एस.एफ.सी. |
| 15. | हर्ष वर्धन कैमिकल्स एण्ड मिनरल्स |
| 16. | हिन्दुस्तान एग्रो कैमिकल्स |
| 17. | हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड |
| 18. | हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर्स कोरपोरेशन लिमिटेड |
| 19. | आई.सी.आई. कानपुर |
| 20. | इफ्को |
| 21. | इंडियन पोटाश लिमिटेड |
| 22. | इंडिया सेरेऑयल |
| 23. | जयश्री कैमिकल्स |
| 24. | खेतान कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स |
| 25. | खेतान फर्टिलाइजर्स रामपुर |
| 26. | कृभको |
| 27. | लिबर्टी पेस्टीसाईड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स |
| 28. | लिबर्टी फर्टिलाइजर्स |
| 29. | मधुरान फर्टिलाइजर्स |
| 30. | महादेव फर्टिलाइजर्स |
| 31. | एम.पी.स्टेट कॉरपोरेशन मार्क फेड |
| 32. | एम.पी.एग्रो फर्टिलाइजर्स |
| 33. | मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड |
| 34. | नागार्जुन फर्टिलाइजर्स लिमिटेड |
| 35. | नेशनल फर्टिलाइजर्स, लिमिटेड |
| 36. | नटराज फर्टिलाइजर्स |
| 37. | उडीसा फर्टिलाइजर्स |
| 38. | ओ.सी.सी.एल. |
| 39. | पारादीप फास्फेट लिमिटेड |
| 40. | फॉस्फेट इंडिया |
| 41. | पी.पी.सी.एल. |
| 42. | आर.सी.एफ. लिमिटेड |
| 43. | रामपुर डिसटिलरी |
| 44. | रामा फॉस्फेट लिमिटेड |
| 45. | रिलायज इंडिया लिमिटेड |
| 46. | राजस्थान गुल्ली फर्टिलाइजर्स |
| 47. | एस.डी.फर्टिलाइजर्स |
| 48. | शियालिक फर्टिलाइजर्स |
| 49. | स्टील अथारिटी आफ इंडिया |
| 50. | श्री दुर्गा अंगास |
| 51. | श्री राम फर्टिलाइजर्स |
| 52. | श्री राम इण्डस्ट्रीज एन्टरप्राइजिज लिमिटेड |
| 53. | श्री निवास फर्टिलाइजर्स |
| 54. | एस.पी.आई.सी. |
| 55. | स्वास्तिक फर्टिलाइजर्स लिमिटेड |
| 56. | टाटा कैमिकल्स |
| 57. | त्रिमूर्ति फर्टिलाइजर्स लिमिटेड |
| 58. | टी.जे. फर्टिलाइजर्स |
| 59. | यू.पी.एफ.एल. |
| 60. | अनाईलकेम फर्टिलाइजर्स |
| 61. | विनय श्री कैमिकल्स |
| 62. | विदर्भ फास्फेट |
| 63. | जुआरी एग्रो कैमिकल्स लिमिटेड जिंक सल्फेट मैन्यूफैक्चरर्स |
| 64. | कम्बाईन कैमिकल्स |
| 65. | गुजरात सल्फेट फर्टिलाइजर्स |
| 66. | हिम कैमिकल्स |
| 67. | के. कैमिकल्स |

**Interaction with Tobacco Sector**

3256. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether his Ministry has interacted with tobacco sector to anticipate increasing domestic demand and consumption of tobacco;

(b) if so, the details of such interaction with tobacco industry;

(c) whether it is a fact that an acute shortage of tobacco is anticipated in the next year;

(d) whether ICAR has made any plans to assist farmers to meet this shortage; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM):

(a) and (b) Tobacco Board of Minsitry of Commerce consults exporters, trade and domestic cigarette industry about the requirements of Flue Cured Virginia Tobacco (FCV Tobacco) while planning for FCV Tobacco crop size every year.

(c) No, Sir.

(d) and (e) With the release of high yielding varieties coupled with appropriate production technology developed by Central Tobacco Research Institute (CTRI), average productivity has increased from 728 kg/ha. in 1957-58 to the level of 1390 kg/ha in 1992-93. CTRI is the agency supplying guaranteed pure seed of improved tobacco varieties.